

प्रेषक,

कुंवर सिंह,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,

उत्तराखण्ड।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: 15 जुलाई, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्रशिक्षण प्रखण्ड में आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न योजनाओं हेतु आवश्यक धनराशि स्वीकृति किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक, आपके पत्र संख्या: 7038/डीटीईयू/40अव0/ 2008-09 दिनांक 21.05.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष-2008-09 में प्रशिक्षण प्रखण्ड में आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष बचनबद्ध/अबचनबद्ध मदों में संलग्न विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में धनराशि रु0 6,00,000/- (रु0 छः लाख मात्र) तथा आयोजनेत्तर पक्ष में रु0 28,80,000/- (रु0 अठ्ठाइस लाख अस्सी हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए धनराशि व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व राक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय राक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दरों अथवा शर्तों, टेण्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में दिनांक 31.03.2009 तक करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

5- कम्प्यूटर एवं तत्सम्बन्धी उपकरण आदि का कय एन0आई0सी0/आई0टी0 की संस्तुति अथवा उनके दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

6- लघु निर्माण कार्यों को छोड़कर अन्य निर्माण कार्यों के आगणनों का परिक्षण टी0ए0सी0 से कराने के उपरान्त शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही धनराशि व्यय की जायेगी।



7- लघु निर्माण कार्य एवं अनुरक्षण कार्य को कराये जाने से पूर्व लोक निर्माण विभाग की दरों पर आंगणन गठित कर उस पर समक्ष तकनीकी संस्था/अधिकारी की संस्तुति प्राप्त कर कार्य प्रारम्भ किया जाऐ।

8. केन्द्र पोषित योजनाओं के राज्यांश की धनराशि केन्द्रांश के प्राप्त होने के उपरान्त ही जारी की जायेगी परन्तु जिन योजनाओं पर केन्द्र सरकार की सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त है, के स्वीकृति प्रस्ताव उपलब्ध कराये जायेंगे।

9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 188NP/वित्त अनु0-5/2008, दिनांक: 10जुलाई 2008 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(कुंवर सिंह)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: ९०९ / VIII / 35-प्रशि0/2008 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 3- समस्त जनपद के वरिष्ठ कोषाधिकारी।
- 4- बजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- नियोजन विभाग।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- वित्त अनुभाग-5
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या: 15 (1)/VIII/-प्रशिक्षण/2008, दिनांक: 15 जुलाई 2008 का संलग्नक :-
 अनुदान संख्या: 16

आयोजनागत/आयोजनेत्तर
 (धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक: 2230-श्रम तथा रोजगार

03-प्रशिक्षण

001-निदेशन तथा प्रशासन

01-प्रशिक्षण एवं रोजगार सम्बन्धी अधिष्ठान

क्र०सं०	मद संख्या एवं नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	04-यात्रा व्यय	-	100
2	08-कार्यालय व्यय	-	90
3	11- लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	-	50
4	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	-	100
5	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	50
6	19- विज्ञापन, दिकी और विख्यापन व्यय	-	100
7	22- आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता	-	20
8	25- लघु निर्माण कार्य	-	50
9	26- मशीनें, साज-सज्जा/उपकरण व संयंत्र	-	50
10	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबन्धी स्टेशनरी का क्रय	-	100
योग:-		-	710

लेखाशीर्षक: 2230-श्रम तथा रोजगार

03-प्रशिक्षण

003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

03- दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान

क्र०सं०	मद संख्या एवं नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	08- कार्यालय व्यय	-	100
2	11- लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	100	100
3	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	-	100
4	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	50
5	21- छात्रवृत्तियां और छात्रवैतन	-	100
6	29 -अनुरक्षण	500	100
7	42- अन्य व्यय	-	1000
8	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	-	100
9	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/ तत्संबन्धी स्टेशनरी का क्रय	-	100
योग:-		600	1750

लेखाशीर्षक: 2230—श्रम तथा रोजगार

03— प्रशिक्षण

003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

08—औद्योगिक प्रशिक्षण सलाहकार समिति

क्र०सं०	मद संख्या एवं नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	42— अन्य व्यय	—	280
2	47—कम्प्यूटर अनुरक्षण/ तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	—	50
योग:—		—	330

लेखाशीर्षक: 2230—श्रम तथा रोजगार

03— प्रशिक्षण

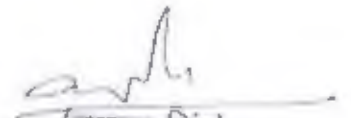
102—शिक्षुता प्रशिक्षण

03— शिशिक्षु प्रशिक्षण योजना

क्र०सं०	मद संख्या एवं नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	11— लेखन सामग्री और फार्मा की छपाई	—	20
2	12—कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	—	50
3	26— मशीनें, साज-सज्जा/उपकरण व संयंत्र	—	20
योग:—		—	90

महायोग अंको में :- आयोजनागत पक्ष रु० 06,00,000
आयोजनेत्तर पक्ष रु० 28,80,000

शब्दों में :- आयोजनागत पक्ष रु० छः लाख मात्र
आयोजनेत्तर पक्ष रु० अठ्ठाइस लाख अस्सी हजार मात्र


(लक्ष्मण सिंह)
अनुसचिव